कैंसर पर विजय

कैंसर पर विजय?

सुनकर सहसा अकल्पित, असम्भव एवं अविश्वसनीय प्रतीत होता है, चूँकि इसे साक्षात मृत्यु का पर्याय समझा जाता है।

परन्तु, ईश्वर की असीम कृपा, डाक्टर [Dr. Shilpa Bhartia, MRCP, FRCPath (UK), Consultant in Haemato-Oncology & Bone Marrow Transplantation, Apollo Gleneagles Hospital, Kolkata] के कौशल, विषम परिस्थिति में अविचलित रहकर सही निर्णय एवं उनकी कार्यकुशलता तथा मेरे जीने की प्रबल इच्छा-शक्ति एवं बुलन्द हौसले ने असम्भव को सम्भव कर दिया।

यह कथा मैं लिख रहा हूँ किसी रोमांचकारी घटना या सैर सपाटे की नहीं, बल्कि कैंसर से लड़कर मौत पर फतह पाने की मेरी अपनी जीवन गाथा है। मैं इसलिए लिख रहा हूँ कि लोग कैंसर से डरें नहीं बल्कि मेरी जीवनी से प्रेरित होकर इसका डटकर मुकाबला करें। कहते हैं, अगर हो जज्बा तो मुश्किलें आड़े नहीं आती और मौत भी अपना रास्ता बदल लेती है।

दिनांक 23/5/2013 को बाइक एक्सीडेन्ट में मेरे बाँए जाँघ की हड्डी टूट गई थी एवं हिप क्षतिग्रस्त हो गया था। तब मैं आदित्यपुर, जमशेदपुर (झारखण्ड) में रह रहा था। जमशेदपुर में ही एक चिकित्सक के द्वारा मेरी चिकित्सा की गई परन्तु दो माह में भी कोई लाभ नहीं हुआ बल्कि मेरे बाँए रिब की एक हड्डी में भी दर्द होने लगा और दर्द उत्तरोत्तर बढ़ता गया। तब एक अन्य चिकित्सक डा० के०के० नागर की सलाह पर दिनांक 28/7/2013 को मेरा डिजिटल एक्सरे कराया गया जिसमें एक्सरे रिपोर्ट पर ही डाक्टर ने Multiple Myeloma अर्थात कैंसर अंकित कर दिया। तब तत्काल मेरा पुत्र दिनांक 30/7/2013 को मुझे जमशेदपुर से अपोलो कैंसर हास्पिटल, कोलकाता ले आया जहाँ सौभाग्यवश मेरी चिकित्सा डाक्टर शिल्पा भार्तीया के द्वारा आरम्भ की गई। परीक्षण में मुझे Multiple Myeloma अर्थात कैंसर से ग्रसित पाया गया और डाक्टर मैडम के द्वारा तुरन्त मेरी चिकित्सा आरम्भ कर दी गई।

इस बीच दिनांक 10/8/2013 को अपोलो अस्पताल, कोलकाता के ही एक ऑर्थो सर्जन डा० राजीव वसु के द्वारा मेरी बाँए जाँघ की सर्जरी की गई जिसमें बाहर से रड एवं स्क्रू लगाया गया चूँकि हिप में छिद्र हो गया था।

पहली बार मुझे 34 दिनों तक अस्पताल में भर्ती रखकर मेरी चिकित्सा की गई। इसके बाद मुझे प्रत्येक माह बुलाया जाता और करीब एक सप्ताह अस्पताल में भर्ती रखकर विभिन्न परीक्षण किए जाते।

आश्चर्यजनक बात हुई कि करीब पाँच माह इलाज के उपरान्त ही यानि माह दिसम्बर'2013 के मध्य में मेरे Blood Test में कैंसर को NEGATIVE पाया गया।

मेरी प्रसन्नता का अनुमान सहज ही लगाया जा सकता है। लेकिन इस रिजल्ट से मेरी चिकित्सक डा० शिल्पा भारतीया के चेहरे पर स्पष्ट परिलक्षित आभा बता रही थी कि वो मुझसे अधिक प्रसन्न हैं। बंगाल में बेटी को माँ सम्बोधित किया जाता है और मैं प्रतिदिन उन्हें माँ सम्बोधित कर प्रणाम किया करता था।

आज मेरी उम्र 64+ की हो चुकी थी और चिकित्सा का अगला अध्याय Bone Marrow Transplantation का था जो अत्यन्त ही रिस्की था। मेरा पुत्र कोलकाता में मेरा BMT कराने में डर रहा था इसलिए उसने वेल्लोर वेल्लोर सी० एम० सी० मुम्बई के चिकित्सकों से सम्पर्क किया परन्तु मेरी आयु 64+ जानकर वहाँ के चिकित्सकों ने मेरा BMT करने से इनकार कर दिया।

मेरी डाक्टर ने बड़े आत्म विश्वास एवं इतमिनान से माह फरवरी 2014 में मेरा BMT का प्रोग्राम तय कर दिया। प्रथम बार BMT की प्रक्रिया में मेरा Harvesting किया गया परन्तु मैं इतना रोगमुक्त हो चुका था कि BMT के लिए आवश्यक Cell मेरे Blood में नहीं मिले। BMT के बिना यह इलाज अधूरा था। तब मेरी डाक्टर मैडम ने मुझे अन्य दवाओं के अतिरिक्त मेरे पेट में एक अत्यन्त महंगा इंजेक्शन दिया जिसकी कीमत करीब अस्सी हजार रुपये थी। उसके बाद पुनः मेरा Harvesting किया गया जिसमें पर्याप्त Cell पाया गया और दिनांक 18/2/2014 को मेरी चिकित्सक डा० शिल्पा भारतीया ने अपने हाथों से मेरा BMT सम्पन्न किया। ~~BMT करने के बाद~~ सफलतापूर्वक BMT की प्रक्रिया सम्पन्न करने के उपरान्त मेरी चिकित्सक के चेहरे पर प्रसन्नता की जो आभा परिलक्षित हुई वह अविस्मरणीय है क्योंकि इस प्रक्रिया में खासकर मेरी उम्र 64+ के कारण मेरी मृत्यु की भी सम्भावना जताई गई थी। मुझे प्रतीत हुआ कि मेरी आराध्या साक्षात माता भगवती ही डाक्टर के रूप में मेरे सम्मुख हैं और मैंने मन ही मन उन्हें बारम्बार नमन किया।

मैं एक दिन के लिए अस्पताल जाता रहा हूँ और चिकित्सा एवं परीक्षणों से मुझे कैंसर मुक्त पाया गया है। अभी कुछ दिनों तक यह सिलसिला और जारी रखा जाएगा उसके बाद मैं Medicine free एवं बिल्कुल पूर्व वत सामान्य जीवन जी ऊँगा।

अब मैं 66 वर्षों का हूँ और मैं पूर्व की तरह पूरा व्यायाम करने लगा हूँ। योगासन और प्राणायाम भी करता हूँ। अच्छी तरह भोजन करता हूँ और अच्छी नींद भी सोता हूँ।

मैं कैंसर पीड़ित भाई बन्धुओं से कहना चाहता हूँ कि वे कैंसर से बिल्कुल भयभीत नहीं हों और परमात्मा पर पूर्ण विश्वास कर डटकर इसका मुकाबला करें। दिनांक 23/5/2013 को शाम में मेरा एक्सीडेन्ट हुआ था, उस दिन भी प्रातः अन्य दिनों की तरह मैंने पूरा व्यायाम योगासन और प्राणायाम किया था। परन्तु उन दिनों मेरे सारे बदन में काफी दर्द रहा करता था. इतना कि रात में करीब एक डेढ़ घंटे तक मालिश के बाद भी दर्द नहीं जाता था और मुझे अच्छी तरह नींद नहीं आती थी। हमेशा काफी थका थका महसूस होता था। परन्तु मैं इस पर ध्यान नहीं देता था। यह मेरी भारी गलती थी। एक्सीडेन्ट के करीब दो माह बाद जब डिजिटल एक्सरे हुआ और Multiple Myeloma detect हुआ तब मेरे बदन दर्द का राज समझ में आया।

मैं कह सकता हूँ कि Accident मेरे लिए परमात्मा की कृपा और वरदान साबित हुआ।

इसलिए मैं कहना चाहता हूँ कि शरीर में होने वाले किसी प्रकार के दर्द, रोग अथवा असामान्यता को Ignore नहीं करें और तुरन्त डाक्टर से सम्पर्क करें एवं Doctor के Instructions का पूरा पूरा पालन करें।

अपोलो कैंसर अस्पताल, कोलकाता के अन्य बड़े-छोटे सभी कर्मचारी जिन्होंने चिकित्सा में सहयोग दिए वे सभी अच्छे हैं, मैं उनसे पूरी तरह सन्तुष्ट हूँ और आभार व्यक्त करता हूँ। अस्पताल की एक पदाधिकारी श्रीमती तुहिना गांगुली, पेशेन्ट काउन्सेलर, का मैं विशेष आभारी हूँ जिन्होंने समय-समय पर मेरी बहुत मदद की और चिकित्सा की अवधि में मुझे समय देकर मेरी हिम्मत बढ़ाई।

[signature]
17/11/2014

[हरे राम शर्मा]
सी ओ-95, सेक्टर-II